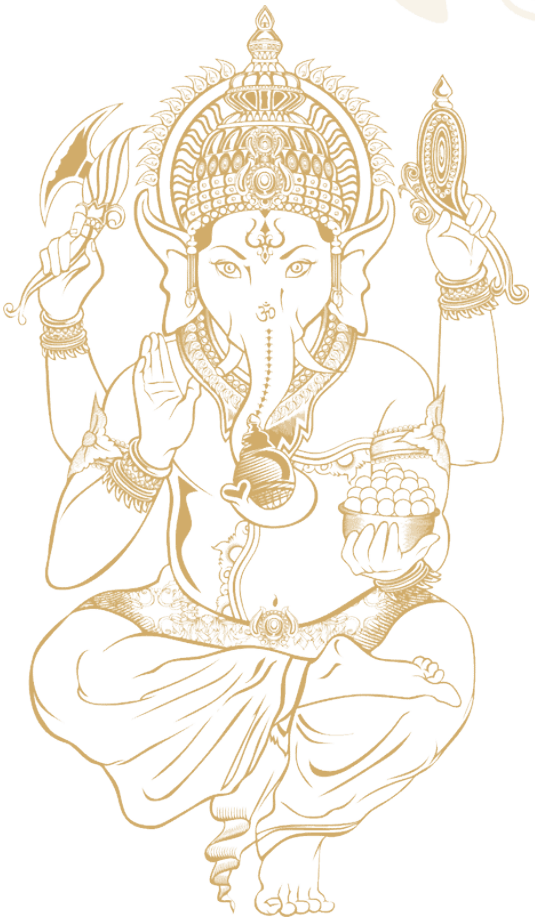

13 Feb 2012

10:28 AM

Mathura

Model: web-freekundliweb

Order No: 121354810

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/02/2012**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**10:28:00 घंटे**
इष्ट	08:43:20 घटी
स्थान	**Mathura**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:30:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:08:48 घंटे
वेलान्तर	-00:14:14 घंटे
साम्पातिक काल	19:39:23 घंटे
सूर्योदय	06:58:40 घंटे
सूर्यास्त	18:08:31 घंटे
दिनमान	11:09:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	29:51:09 मकर
लग्न के अंश	09:51:58 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	गण्ड
करण	वणिज
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रे-रेवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	09:51:58	463:16:05	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	---
सूर्य			मक	29:51:09	01:00:40	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	10:05:54	14:15:00	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल	व		सिंह	26:25:58	00:15:32	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	मित्र राशि
बुध		अ	कुंभ	04:23:47	01:49:20	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
गुरु			मेष	10:13:53	00:08:50	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मीन	11:47:04	01:10:05	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	उच्च राशि
शनि	व		तुला	05:26:56	00:00:35	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	उच्च राशि
राहु	व		वृश्चि	17:11:53	00:02:42	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	17:11:53	00:02:42	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
हर्ष			मीन	08:17:38	00:02:51	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
नेप			कुंभ	06:19:15	00:02:16	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
प्लूटो			धनु	14:42:17	00:01:38	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	28:59:22	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	गुरु	सूर्य	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:52

लग्न-चलित

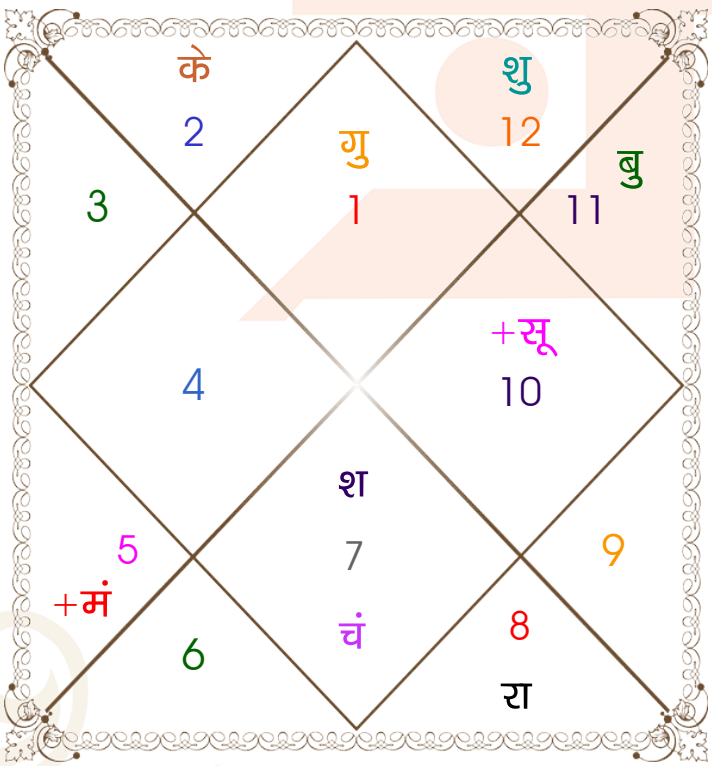

चन्द्र कुंडली

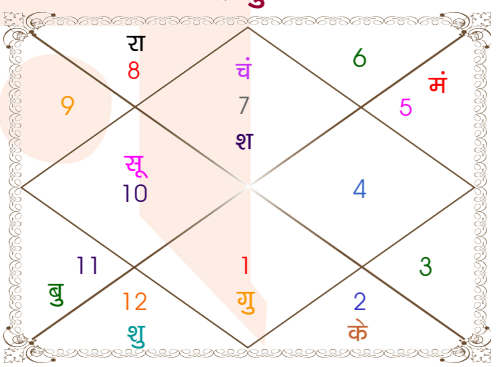

नवमांश कुंडली

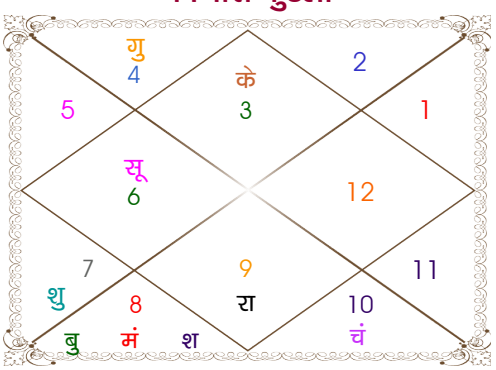

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 13 वर्ष 4 मास 12 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
13/02/2012		26/06/2025		26/06/2041		26/06/2060		26/06/2077	
26/06/2025		26/06/2041		26/06/2060		26/06/2077		26/06/2084	
	13/02/2012	गुरु	14/08/2027	शनि	29/06/2044	बुध	23/11/2062	केतु	22/11/2077
गुरु	02/08/2012	शनि	25/02/2030	बुध	09/03/2047	केतु	20/11/2063	शुक्र	23/01/2079
शनि	08/06/2015	बुध	02/06/2032	केतु	17/04/2048	शुक्र	20/09/2066	सूर्य	30/05/2079
बुध	26/12/2017	केतु	09/05/2033	शुक्र	18/06/2051	सूर्य	27/07/2067	चंद्र	29/12/2079
केतु	13/01/2019	शुक्र	08/01/2036	सूर्य	30/05/2052	चंद्र	26/12/2068	मंगल	27/05/2080
शुक्र	13/01/2022	सूर्य	26/10/2036	चंद्र	29/12/2053	मंगल	23/12/2069	राहु	14/06/2081
सूर्य	08/12/2022	चंद्र	25/02/2038	मंगल	07/02/2055	राहु	11/07/2072	गुरु	21/05/2082
चंद्र	08/06/2024	मंगल	01/02/2039	राहु	14/12/2057	गुरु	17/10/2074	शनि	30/06/2083
मंगल	26/06/2025	राहु	26/06/2041	गुरु	26/06/2060	शनि	26/06/2077	बुध	26/06/2084

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
26/06/2084		27/06/2104		28/06/2110		27/06/2120		28/06/2127	
27/06/2104		28/06/2110		27/06/2120		28/06/2127		00/00/0000	
शुक्र	27/10/2087	सूर्य	15/10/2104	चंद्र	28/04/2111	मंगल	23/11/2120	राहु	10/03/2130
सूर्य	26/10/2088	चंद्र	15/04/2105	मंगल	27/11/2111	राहु	12/12/2121	गुरु	14/02/2132
चंद्र	27/06/2090	मंगल	21/08/2105	राहु	28/05/2113	गुरु	18/11/2122		00/00/0000
मंगल	27/08/2091	राहु	16/07/2106	गुरु	27/09/2114	शनि	27/12/2123		00/00/0000
राहु	26/08/2094	गुरु	04/05/2107	शनि	27/04/2116	बुध	24/12/2124		00/00/0000
गुरु	26/04/2097	शनि	15/04/2108	बुध	27/09/2117	केतु	22/05/2125		00/00/0000
शनि	27/06/2100	बुध	19/02/2109	केतु	28/04/2118	शुक्र	22/07/2126		00/00/0000
बुध	28/04/2103	केतु	27/06/2109	शुक्र	27/12/2119	सूर्य	27/11/2126		00/00/0000
केतु	27/06/2104	शुक्र	28/06/2110	सूर्य	27/06/2120	चंद्र	28/06/2127		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 13 वर्ष 4 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

जिस समय आपका जन्म हुआ, उस समय पूर्वी क्षितिज पर अश्विनी नक्षत्र के तृतीय चरण में मेष लग्न उदित था। परिणाम स्वरूप जन्मकाल मिथुन नवमांश एवं मेष के द्रेष्काण के प्रभाव से आप का जन्म लग्न प्रभावित था।

आप में व्यक्तिगत रूप से कई कार्यों को एक साथ संचालित करने की क्षमता है, और आप कोई भी कार्य पूर्ण रूपेण आश्वस्त होकर संपादित करते हैं। आप उच्चकोटि के महत्वाकांक्षी, व्यक्ति हैं। आप अपने उद्येश्यित महत्वपूर्ण बिंदुओं को कार्य रूप देकर कार्यान्वित कर लेने में लगन लगाते हैं। आप में यह वरदान स्वरूप विशिष्टता विद्यमान है कि आत्मबल के सहारे अपने कार्य को संपादन कर लेते हैं। परंतु आप में छोटी सी बातों में भी अड़चन लगाने की प्रवृत्ति विद्यमान है। अर्थात् किसी भी असाधारण बातों को द्वन्द्वात्मक बना देते हैं।

आप किसी कार्य का आरंभ विद्युत गति से करते हैं। परंतु अकस्मात् बीच में ही कार्य को रोक कर अपने मार्ग को बदलने पर पुनर्विचार करने लगते हैं। यदि आप कोई सशक्त निर्णय लेकर और पूरी तन्मयता से कार्य को कार्य रूप दें तो निश्चित रूप से आप किसी भी कार्य में सफल हो जाएंगे।

वास्तव में आप विशुद्ध आत्मा (हृदय) के प्राणी हैं। आपके हृदय में किसी प्रकार की कलुषता नही रहती है। आप चाहते हैं कि आज तक की परिस्थितियों की जानकारी प्राप्त कर नेतृत्व करें आप किसी दूसरे व्यक्ति का निर्देशों का अनुपालन नहीं करतें। यद्यपि आप यह चाहते है कि किसी भी व्यक्ति पर अपनी छाप (चिह्न) स्थापित करें तथापि यदा-कदा आप अपनी राय सभी कार्यों में प्रदान कर अपना प्रभाव कायम करने के लिए तत्पर रहते हैं। वास्तव में कोई भी व्यक्ति अच्छी राय आपसे प्राप्त कर आपसे प्रभावित हो जाता है।

आप अपने शत्रुओं से निर्भय रहते हैं। दुर्भाग्यवश यदि किसी शत्रु से आपको मुकाबला करना पड़ जाए और आपके साथ कोई षड्यंत्र करे तो आप वर्त्तमान कालिक परिस्थिति का मुकाबला पूरी शक्ति से एवं अपने निर्णय के अनुसार कूटनीतिक व्यवहार से उसके साथ पेश आते हैं।

अश्विनी नक्षत्र के प्रभावानुसार आप पूर्ण सशक्त एवं शक्ति संपन्न व्यक्तित्व की संपन्नता से धन प्राप्त करने की क्षमता रखते है। आपकी उन्नत ललाट और प्रभावक दृष्टि आपके अन्तः करण की सूचना प्रकट करता हैं आप में ऐसी क्षमता है कि आपके संपर्क में जो व्यक्ति आता है। उस पर आपका पूर्ण प्रभाव एवं अच्छी छाप पड़ती है। आप अधिक धन संचय करने के संबंध में लालची भी हैं। आपको अपने भाई के साथ कोई विवाद हो जाए और आप उलझ जाएं यह संभव है। अन्यथा आपका पारिवारिक जीवन सुंदर रहेगा। आपके जीवन का मुख्य दायीत्व पारिवारिक समस्या है। आप बेसुध हो कर, हर क्षण अपने परिवार के लाभ के लिए कुछ न कुछ करते रहने के संबंध में चिंतनशील रहा करते हैं, क्योंकि संपूर्ण परिवार का दायीत्व आपके कंधे पर है, अर्थात पूरे परिवार का विकास और विस्तार के लिए आप ही अभिभावक के रूप में जिम्मेदार हैं। परंतु आप अपने शब्द जाल में अधिकांश लोगों को फंसा

लेते है परंतु आप किसी भी दशा में अपने स्तर से गिर नहीं पाते। आपके स्वभाव के अनुसार जेल अधिकारी पद पर आपकी नियुक्ति उपयुक्त है। अन्यथा आप पुलिस विभाग या रेलवे अधिकारी भी हो सकते हैं।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परंतु आपको यह निर्देश दिया जाता है कि अपने पारिवारिक चिकित्सक से सिरोवेदना या मस्तिष्क रोग से सावधानी कैसे बरती जाय इसके संबंध में परामर्श ले लें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भविष्य के लिए उन्नति कारक एवं आकर्षक अंक 9 एवं 1 अंक होगा। जबकि आपके लिए अनुकूल अंक 4 एवं 8 अंक होगा। 6 एवं 7 अंक आपके लिए अच्छा प्रभाव देने वाला नहीं है।

आपके जीवन के लिए पीला, स्वर्णिम एवं लाल रंग व्यवहारिक एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।